समीक्षा

2017 – 2018

महिला उमंग प्रोड्यूसर्स कम्पनी लिमिटेड

ग्राम नैनी, पोस्ट आफिस कालिका, रानीखेत, ज़िला–अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड

फ़ोन नं0 9759876088/ 9456595121

E: info@umang-himalaya.com W:www.umang-himalaya.com

परिचय

महिला उमंग उत्पादक कम्पनी लिमिटेड महिलाओं का एक सामाजिक एवं व्यावसायिक संगठन है, जिसका पंजीकरण कंपनी अधिनियम 1956 के तहत दिनांक 09 जनवरी 2009 को किया गया।

उमंग का प्रमुख कार्यालय, 'हाउस ऑफ उमंग' ग्राम नैनी में, ज़िला अल्मोड़ा, रानीखेत के पास स्थित है। उमंग एक कंपनी ही नहीं बल्कि एक सपना है, एक विचार और जीने का एक अन्दाज़ है। **उमंग का लक्ष्य पर्वतीय महिला उत्पादकों को आजीविका के अवसर प्रदान कर उनके जीवन में गुणात्मक सुधार लाना है।**

इस संगठन की यात्रा सन् 2001 में पान हिमालयन ग्रासरुट्स डिवेलपमेंट फाउण्डेशन के मार्गदर्शन में एक स्वयं सेवी संस्था महिला उमंग समिति के रुप में आरम्भ हुई।

महिला उमंग समिति सन् 2001 से स्वयं सहायता समूहों का गठन कर विभिन्न सामुदायिक तथा प्राकृतिक संरक्षण/संवर्धन एवं आजीविका विकास कार्यक्रमों द्वारा पर्वतीय महिलाओं का सशक्तीकरण कर इस क्षेत्र में अनुकूल आर्थिक एवं सामुदायिक पृष्ठभूमि तैयार करने में सफल रही है। आजीविका विकास कार्यक्रमों के सुचारु संचालन के परिणाम स्वरुप महिला उमंग समिति के सदस्यों ने आपसी विचार विमर्श द्वारा उमंग को स्वयं सेवी संस्था से बदलकर प्रोड्यूसर्स/उत्पादक कम्पनी करने का प्रस्ताव फरवरी 2008 में पारित किया।

उत्पादक कम्पनी का मुख्य उद्देश्य आजीविका कार्यक्रमों को सामाजिक एवं आर्थिक रुप से कमजोर उत्पादक सदस्यों के हित को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ाना है। सभी उत्पादक सदस्यों का कम्पनी पर समान हक, बराबर सदस्यता शुल्क द्वारा सुनिश्चित किया गया। कंपनी की सभी व्यावसायिक गतिविधियां सीधे उत्पादक सदस्यों द्वारा नियंत्रित की जाती हैं तथा उत्पादक सदस्य ही कम्पनी की सम्पूर्ण चल–अचल सम्पत्ति के मालिक हैं। उत्पादक कम्पनी का ढांचा यह सुनिश्चित करने में सहायक होता है कि बढ़ते उत्पादन के साथ–साथ मुनाफे का अधिक से अधिक प्रतिशत सीधे उत्पादक सदस्य के पास पहुंचे।

आने वाले कुछ वर्षों में उमंग का लक्ष्य 3,000 (तीन हज़ार) उत्पादक सदस्यों को ₹ 15,000 (पंद्रह हज़ार) प्रति वर्ष की आय सुनिश्चित कराना है। अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए उमंग उत्पादक संगठन पारदर्शिता, गुणवत्ता, स्वावलम्बन, मांग के अनुसार परिवर्तन एवं उचित व्यापार के मूल सिद्धान्तों पर सदा कार्यरत रहेगी।

मुख्य अंश

अपने लक्ष्य एवं मूल सिद्धान्तों को ध्यान में रखते हुए उमंग उत्पादक संगठन ने फ़ेयर ट्रेड/उचित व्यापार प्रमाणीकरण प्राप्त किया। जो सुनिश्चित करता है कि व्यावसायिक संस्था लैंगिक समानता, उचित मूल्य भुगतान, पर्यावरणीय सुरक्षा, बेहतर कार्य स्थिति एवं बाल मज़दूरी विरोधी मूल्यों के साथ–साथ आर्थिक रुप से पिछड़े कामगारों को कार्य के अवसर प्रदान करती है। दिल्ली स्थित राष्ट्रीय, गैर सरकारी संस्था फ़ेयर ट्रेड फ़ोरम–इंडिया (एफ0 टी0 एफ0–आई) ने उमंग महिला उत्पादक संगठन को उचित व्यापारिक मूल्यों पर खरा पाया और फेयर ट्रेड प्रमाण पत्र जारी किया।

वर्ष 2017-18 के दौरान उमंग ने अपने हस्त उत्पादित वस्तुओं के बाजारीकरण व गुणवत्ता बढ़ाने के लिए आइका (आल इंडिया आर्टिज़न्स ऐंड क्राफ्ट वर्कर्स वैलफेयर एसोसिएशन) द्वारा आयोजित सभा में भाग लिया। जिसमें उमंग द्वारा हाथ के बुने उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने के विषय पर चर्चा हुई। आइका एक सदस्यता आधारित संगठन है जिसका उद्देश्य भारत के हस्तकला एवं शिल्पकारों की आजीविका को सदृढ़ करना है।

समीक्षा वर्ष के दौरान उमंग की बाजारी व्यवस्था को बढ़ाने के लिए दिल्ली स्थित जयपोर ई–कॉमर्स कम्पनी के साथ उमंग के बुनाई उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री के लिए साझेदारी के फलस्वरूप एक नये वेब पोर्टल की शुरूआत हुई जिससे उमंग को अच्छा लाभ कमाने का अवसर मिला।

वर्ष 2017–18 के दौरान उमंग ने अपने हस्त उत्पादित वस्तुओं के बाजारीकरण को बढ़ाने के लिए उमंग की वेब साइट बनाकर उमंग के बुनाई उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री की कोशिश की, जिसके अंतर्गत इन उत्पादों की फोटोग्राफ़ी की गयी और इनके लिए कोड सिस्टम बनाया गया। जो आने वाले समय के लिए एक अच्छी शुरूआत है।

विगत वर्षों की भांति इस बार भी उमंग ने फ़ेयर ट्रेड फ़ोरम–इंडिया (एफ0 टी0 एफ0–आई) की वार्षिक आम सभा, दिल्ली में प्रतिभाग किया। इस सभा में सभी सदस्य प्रोड्यूसर्स कम्पनियों की ई–कॉमर्स तथा महिला ई–हाट के द्वारा उनके उत्पादों की बिक्री को बढ़ाने के प्रयास के चलते फ़ेयर ट्रेड फ़ोरम–इंडिया के सहयोग से उमंग के उत्पादों का नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ़ फ़ैशन टैक्नोलोजी (एन0 आइ0 एफ0 टी0) द्वारा आयोजित फ़ैशन शो में प्रदर्शन किया गया व आयोजित प्रदर्शनी में भाग भी लिया गया।

वूमेन ऑन विंग्स संस्था, महिलाओं की आजीविका बढ़ाने हेतु कार्यशालाओं का आयोजन कर उनके सशक्तीकरण के लिए काम करती है। उमंग ने इस संस्था के साथ दिसंबर 2016 से तीन वर्षों के लिए सहमति पत्र हस्ताक्षरित किया है, जिसके अंतर्गत समीक्षा वर्ष के अंत तक क्षमता वृद्धि व बुनाई उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु 3 कार्यशालाएं हो चुकी हैं।

समीक्षा वर्ष के दौरान आजीविका कार्यक्रमों को उत्तराखण्ड के अल्मोड़ा, नैनीताल, बागेश्वर, ज़िले के **8** विकासखण्डों के लगभग **101** गाँवों व हिमाचल प्रदेश के सिरमौर ज़िले के **26** गाँवों में संचालित किया गया। समीक्षा वर्ष के अन्त तक **136** स्वयं सहायता समूहों द्वारा उमंग की सदस्यता ग्रहण की जा चुकी है जिनमें **1,464 (एक हजार चार सौ चौंसठ)** सदस्य हैं।

महिला स्वयं सहायता समूह – उमंग उत्पादक संगठन

समीक्षा वर्ष के दौरान सभी स्वयं सहायता समूहों का मूल्यांकन कर उन्हें पुनः व्यवस्थित करने की प्रक्रिया की गयी। जिसके परिणाम स्वरुप संचित रुप से अब तक कुल 186 समूह क्रियाशील हैं इनमें कुल 2,675 (दो हज़ार छः सौ पच्हत्तर) महिला सदस्य हैं। समीक्षा वर्ष के अन्त में इन समूहों के कोष में ₹ 1,15,99,239 (एक करोड़ पंद्रह लाख निन्यानबे हजार दो सौ उन्तालीस) जमा है।

संचित रूप से देखने पर इन महिलाओं द्वारा समीक्षा वर्ष के दौरान ₹ 29,76,620 (उन्तीस लाख छिहत्तर हज़ार छः सौ बीस) **अपने स्वयं सहायता बचत कोष में जमा किया गया जो प्रतिदिन ₹ 8,155** (आठ हज़ार एक सौ पचपन) **की बचत है।** जिस पर समूहों को ₹ 2,83,876 (दो लाख तेरासी हज़ार आठ सौ छिहत्तर) ब्याज के रूप में बैंक से प्राप्त हुआ है। इस वर्ष 504 महिला सदस्यों ने इस जमा राशि से कुल ₹ 92,44,376 (बयानबे लाख चौवालीस हज़ार तीन सौ छिहत्तर) ऋण लिया है, इस ऋण पर समूहों ने कुल ₹ 4,87,426 (चार लाख सत्तासी हज़ार चार सौ छब्बीस) ब्याज के रूप में अर्जित किये हैं। समूह की महिलाओं ने इस ऋण का उपयोग अपने आवश्यक कार्यों की पूर्ति के लिए किया। सभी महिलाओं ने समय पर ऋण

वापस किया है। इन महिलाओं की नियमित रुप से पैसा जमा करने की अच्छी आदत बन गयी है। इस वर्ष **16** स्वयं सहायता समूह के लोगों ने अपनी बचत में से कुल ₹ 10,40,760 (दस लाख चालीस हज़ार सात सौ साठ) वापस लिया।

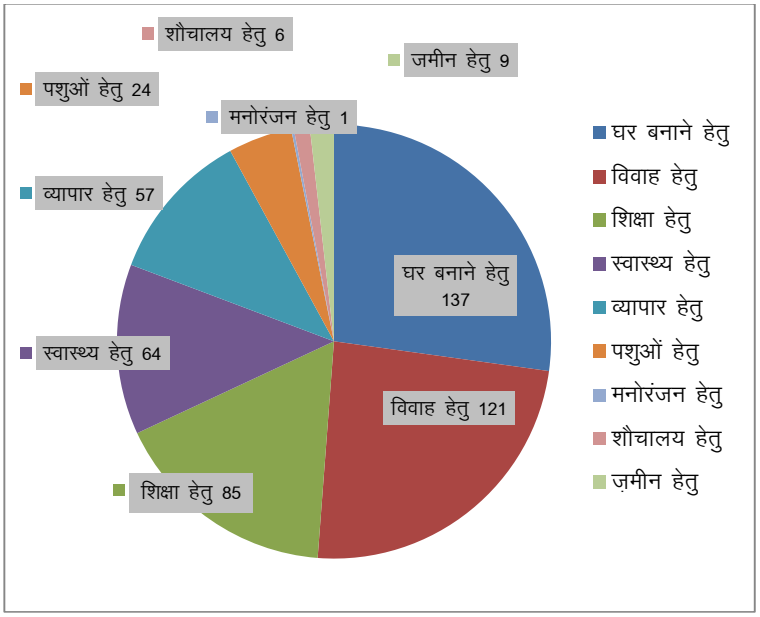

बचत एवं ऋण के साथ–साथ उत्तराखण्ड के 115 (62 %) स्वयं सहायता समूहों के 946 (35 %) सदस्य उमंग के आयवर्धन कार्यक्रमों में सहभागिता निभा रहे हैं। उमंग के कुल 1,464 (एक हजार, चार सौ चौंसठ) अंश धारकों में से 277 सदस्य किसी भी समूह से नहीं जुड़े हैं।

समूह की महिलाओं के द्वारा उपरोक्त सभी आजीविका कार्यक्रमों के अतिरिक्त कई अन्य विकास कार्यक्रमों में भी अपना योगदान दिया गया जिसके अंतर्गत मुख्य रुप से पर्यावरण संतुलन के लिए स्थानीय पेड़ों के रखरखाव व थावले बनाने का काम जारी रखा गया। इसके अलावा खाल चाल की मरम्मत, जंगल को आग से बचाने के प्रयास भी जारी रहे।

उमंग आजीविका कार्यक्रम : एक झलक

उमंग में प्रमुखतः चार व्यावसायिक इकाईयां / आजीविका कार्यक्रम हैं –

क्र. स.	कार्यक्रम का नाम	कुल लाभान्वित सदस्य	कुल उत्पादन		सदस्यों की उत्पादन से आय ₹	सदस्यों को कुल बोनस ₹	सदस्यों की कुल आय ₹	प्रति सदस्य औसत आय ₹
			मात्रा	मूल्य ₹				
1	बुनाई	584	9,012 पीस	50,29,789	19,64,582	1,15,000	20,79,582	3,561
2	फल संरक्षण	140	10,067 कि0	30,09,087	4,06,161	50,000	4,56,161	3,258
3	हिमखाद्य	642	34,646 कि0	55,31,117	31,42,680	85,000	32,27,680	5,028
4	शहद	6	2,767 कि0	10,31,515	5,08,577	–	5,08,577	84,763
	कुल			**1,46,01,508**	**60,22,000**	**2,50,000**	**62,72,000**	

उमंग के द्वारा वर्ष 2017–18 के दौरान कुल 1,169 सदस्यों ने उपरोक्त आजीविका कार्यक्रमों में अपना योगदान दिया, जिनमें कुल 72 प्रतिशत प्रतिभागी (839 सदस्य) उमंग के अंशधारक हैं तथा 28 प्रतिशत प्रतिभागी (330 सदस्य) उमंग के अंशधारक नहीं हैं। उपरोक्त सदस्यों में से 17 प्रतिशत प्रतिभागी 195 सदस्यों ने एक से अधिक कार्यक्रमों में अपना योगदान दिया है।

उमंग विक्रय विवरण

क्रम संख्या	कार्यक्रम	ग्रॉस बिक्री ₹	नैट बिक्री ₹	बिक्री में प्रति ईकाई योगदान %
1	बुनाई	61,51,751	58,15,491	40
2	फल संरक्षण	31,54,487	26,52,139	18
3	हिमखाद्य	47,81,609	45,08,964	30
4	शहद	18,96,820	17,00,762	12
	कुल	**1,59,84,667**	**1,46,77,356**	**100**

इस वर्ष उमंग ने निम्नलिखित 9 स्रोतों के माध्यम से अपने उत्पादों की कुल बिक्री ₹ 1,46,77,356 (एक करोड़ छियालीस लाख सत्हत्तर हज़ार तीन सौ छप्पन) की। वित्तीय वर्ष में ₹ 7,36,657 (सात लाख छत्तीस हज़ार छः सौ सत्तावन) बिक्री कर के रूप में जमा किया।

क्रम सं.		विक्रय स्रोत	ग्रॉस बिक्री ₹	नैट बिक्री ₹	नैट बिक्री %
1		हाउस ऑफ उमंग, नैनी	31,94,825	31,17,600	21
2		हाउस ऑफ उमंग, दिल्ली	3,76,490	3,61,380	2.5
3		हाउस ऑफ उमंग, हिमाचल	4,45,330	4,44,533	3
4		फैब इंडिया	15,01,395	15,01,395	10
5		प्रदर्शनियां	16,63,525	16,19,204	11
6		ई–मेल के द्वारा सेल	25,51,017	23,92,426	16.5
7		वेब साइट/ऑनलाइन सेल	1,38,312	1,23,043	1
8		स्वयं सहायता समूह	1,28,348	1,26,795	1
9		अन्य रिटेल के माध्यम	59,85,425	49,90,980	34
		कुल	**1,59,84,667**	**1,46,77,356**	**100**

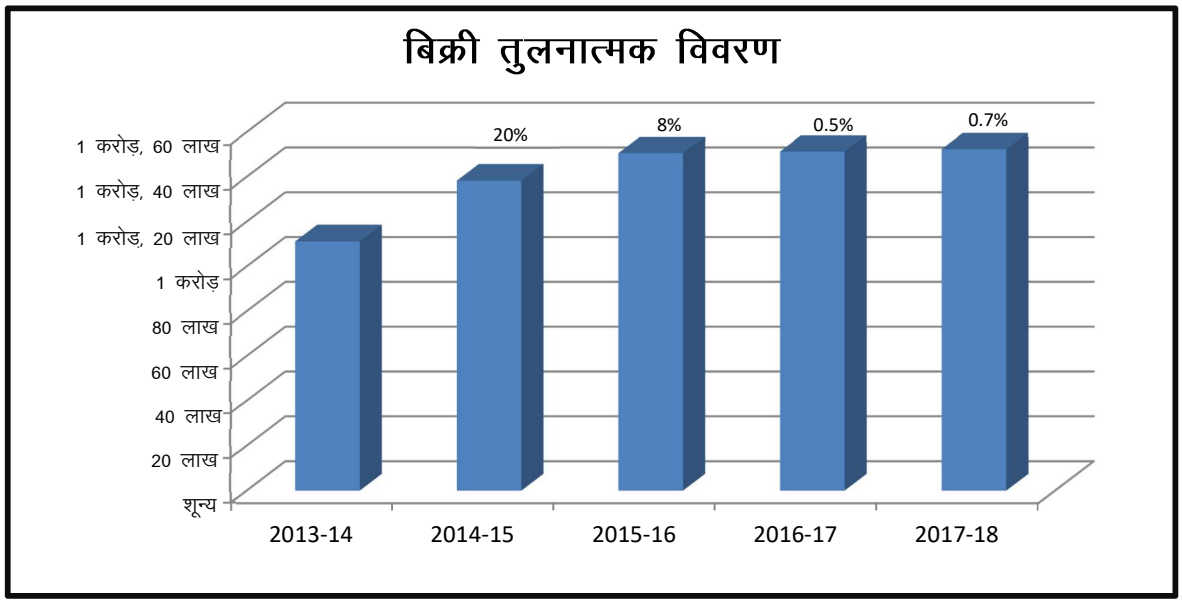

1. बुनाई कार्यक्रम :

बुनाई कार्यक्रम को कुशलता प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण के उपरान्त **70** महिला स्वयं सहायता समूहों की **584** महिलाओं ने हाथ के बुने उत्पादों का उपादन कर आजीविका के रूप में **₹ 18,50,295 (अट्ठारह लाख पचास हज़ार दो सौ पच्चानबे)** अतिरिक्त आय अर्जित की। उत्पाद की गुणवत्ता परखने के लिए समूह का नेतृत्व करने वाली महिलाओं को उत्पादन के आधार पर **₹ 1,14,287 (एक लाख चौदह हज़ार दो सौ सत्तासी)** का भुगतान किया गया, साथ ही वित्तीय वर्ष में **₹ 1,15,000 (एक लाख पंद्रह हज़ार)** बोनस के रूप में वितरित किया गया जिससे प्रत्येक प्रतिभागी को अपनी वार्षिक आय का **6 प्रतिशत** अतिरिक्त लाभांश पाने का मौका मिला। इस कार्यक्रम के तहत महिलाओं में आर्थिक स्वावलम्बिता का विकास हुआ है, जिससे उनमें आत्मनिर्भता आई है। संचित रूप से नैट बिक्री का **36 प्रतिशत** बुनाई करने वाली महिलाओं ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

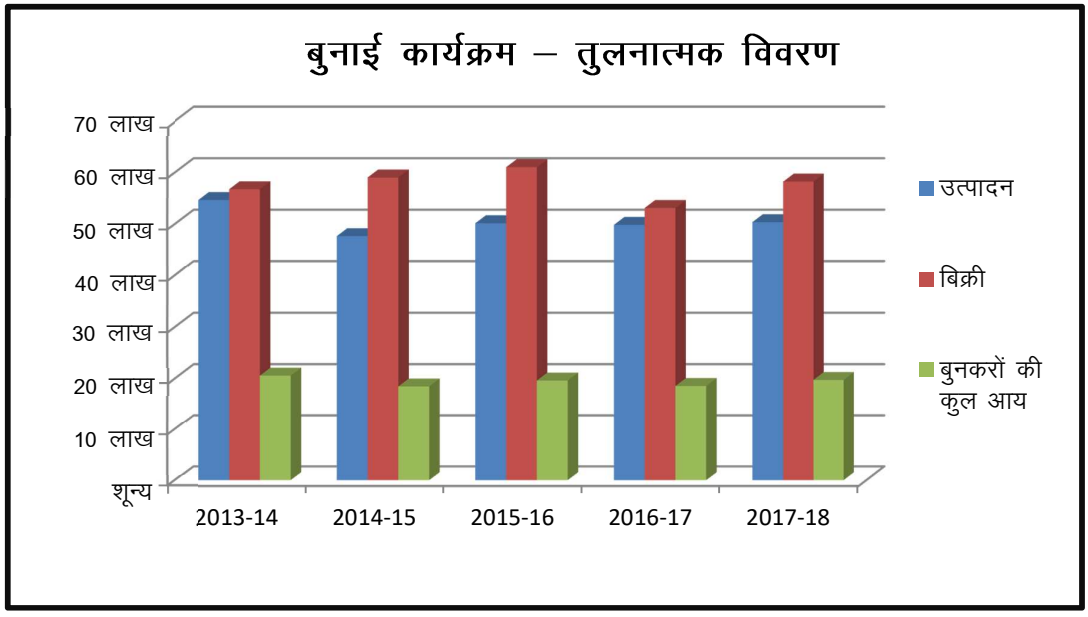

इस वर्ष के दौरान बुनकरों को आजिविका के नये अवसर प्रदान करने के लिए ताना–बाना के माध्यम से 8 बुनकरों को प्रशिक्षण देकर उनके साथ कुछ नये उत्पादों को बनाने की शुरूआत की गयी। इसके अंतर्गत कुल 253 पीस बुने गये जिनका उत्पादन मूल्य **₹ 1,31,900 (एक लाख इकत्तीस हज़ार नौ सौ)** रहा। जिससे इन बुनकरों ने **₹ 44,212 (चव्वालीस हज़ार दो सौ बारह)** की आय अर्जित की। इन उत्पादों की कुल बिक्री **₹ 53,500 (त्रेपन हज़ार पांच सौ)** हुई।

बुनाई कार्यक्रम — प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका									
क्रम	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल सदस्य	कुल समूह	कुल उत्पादन (पीस)	उत्पाद से आय ₹	लीडर आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
1	कुजगढ़	6	96	8	2,383	4,44,265	34,197	27,648	5,06,110
2	गगास अन्य	4	88	7	1,645	4,03,280	32,355	25,085	4,60,720
3	सोमेश्वर	6	87	8	972	3,03,690	25,337	18,759	3,47,786
4	दुसाद	6	125	17	1,078	2,86,985	—	17,861	3,04,845
5	कोसी	3	55	3	787	1,21,585	9,535	7,567	1,38,688
6	पनाई	2	30	7	801	1,03,550	7,741	6,445	1,17,736
7	कनाड़ी	8	48	12	647	1,08,240	—	6,738	1,14,978
8	माल्यागाड़	2	32	6	541	57,420	4,122	3,574	65,116
9	रिसकन	1	11	1	113	12,890	1,000	801	14,691
10	गगास वैली	1	12	1	45	8,390	—	522	8,912
	कुल	**39**	**584**	**70**	**9,012**	**18,50,295**	**1,14,287**	**1,15,000**	**20,79,582**

बुनाई उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर								
विवरण	श्रेणी	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
	प्रथम	उत्साह समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	91,920	5,721	97,641	12	8,137
शहरी क्षेत्र	द्वितीय	लक्ष्य समूह (मालरोड)	कुजगढ़	95,430	5,939	1,01,369	13	7,798
	तृतीय	सहयोग समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	78,030	4,856	82,886	11	7,535
	प्रथम	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	कुजगढ़	1,03,490	6,439	1,09,929	18	6,107
ग्रामीण क्षेत्र	द्वितीय	हरियाली समूह (कालिका)	पनाई	29,990	1,867	31,857	6	5,310
	तृतीय	नवदीप समूह (सैनरी)	कनाड़ी	16,420	1,022	17,442	4	4,361

प्रथम दस श्रेष्ठ बुनाई उत्पादक सदस्य								
क्रम	महिला का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	गधेरे का नाम	कुल मात्रा पीस	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
शहरी क्षेत्र								
प्रथम	माया खर्कवाल	77	उत्साह समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	64	23,900	1,487	25,387
द्वितीय	शबनम ख़ान	785	एकता समूह (मजखाली)	गगास अन्य	68	17,185	1,070	18,255
तृतीय	ममता मलवाल	109	सहयोग समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	42	15,660	975	16,635
चतुर्थ	चंद्रा देवी	700	लक्ष्य समूह (मालरोड)	कुजगढ़	127	14,450	899	15,349
पंचम्	उमा शाह	440	निरंतर समूह (रायस्टेट)	गगास अन्य	66	13,370	832	14,202

ग्रामीण क्षेत्र								
प्रथम	भावना सती	24	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	कुजगढ़	145	14,740	917	15,657
द्वितीय	सरिता बिष्ट	2331	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	कुजगढ़	58	13,920	866	14,786
तृतीय	हेमा पंत	2326	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	कुजगढ़	44	11,270	701	11,971
चतुर्थ	लता पंत	2325	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	कुजगढ़	45	10,290	640	10,930
पंचम्	इंद्रा कबडवाल	747	प्रगति समूह (उभ्याड़ी)	दुसाद	52	9,540	594	10,134

बुनाई कार्यक्रम में शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से समीक्षा वर्ष 2017–18 में बुनाई कार्यक्रम में भाग लेने वाली 584 महिलाओं में विशेष स्थान प्राप्त करने वाली बुनकर सदस्याओं को समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

2. संरक्षित खाद्य कार्यक्रम :

कुमाँऊ क्षेत्र के आर्थिक विकास का आधार कृषि एवं बाग़वानी है, इसे मद्देनजर रखते हुये एक उचित उद्यम की स्थापना कर स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से काश्तकारों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य प्रदान करने हेतु उमंग ने संरक्षित खाद्य कार्यक्रम की स्थापना की। इस कार्यक्रम को चलाने हेतु उमंग को भारत सरकार द्वारा नियंत्रित **एफ0 एस0 एस0 ए0** (फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्ड ऑथोरिटी) का लायसेन्स भी प्राप्त है। उमंग कुमाँऊनी ब्रांड के नाम से बाजार में निम्नलिखित उत्पादों के विक्रय से काश्तकारों की आर्थिक स्थिति को सदृढ़ बनाने में कार्यरत है।

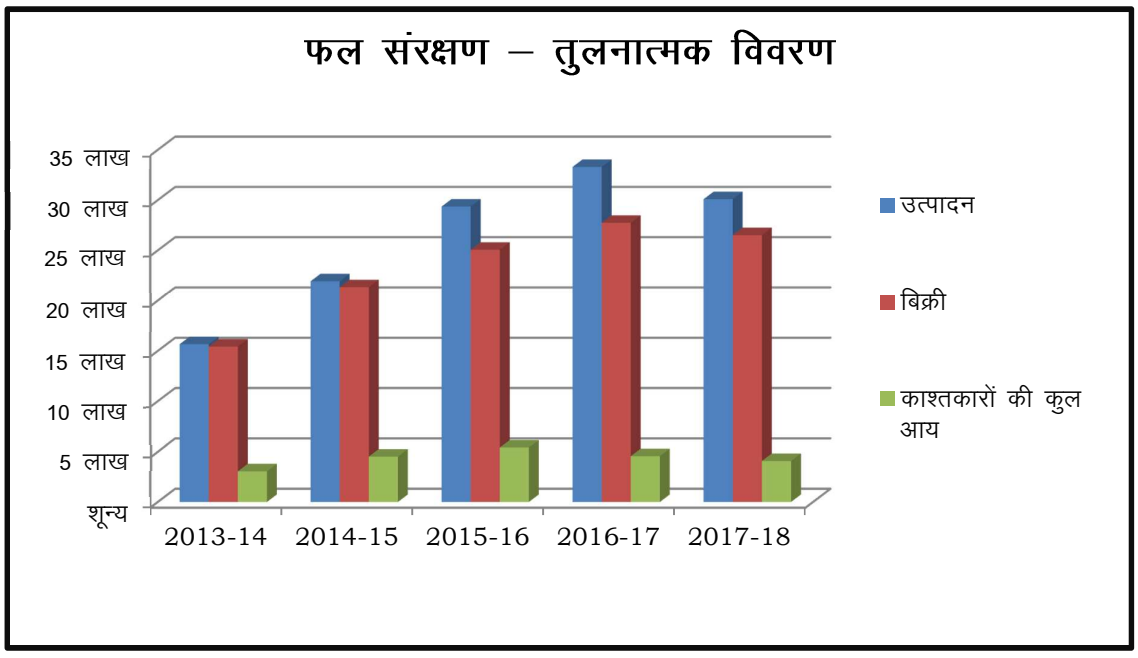

फल संरक्षण कार्यक्रम को कुशलता प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण के उपरान्त स्वयं सहायता समूहों का गठन कर **29** महिला स्वयं सहायता समूहों के **140** किसान परिवारों से ₹ **4,06,161 (चार लाख छः हज़ार एक सौ इकसठ)** के उत्पादों का क्रय कर दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले उत्पादकों को उचित मूल्य प्रदान किया गया। इसके साथ–साथ वित्तीय वर्ष में ₹ **50,000 (पचास हज़ार)** बोनस के रूप में वितरित किया गया जिससे प्रत्येक उत्पादक को अपनी वार्षिक आय का **12 प्रतिशत** अतिरिक्त लाभांश अर्जित करने का मौका मिला। संचित रूप से नैट बिक्री का **15** प्रतिशत रूपया काश्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

फल संरक्षण कार्यक्रम का प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका

क्रम संख्या	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल समूह	कुल सदस्य	कुल उमंग अंश धारक	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
1	हैडवाटर्स	3	4	30	30	1,729	1,05,882	19,100	1,24,982
2	पनाई	3	8	39	33	2,364	94,800	16,747	1,11,547
3	अन्य	11	0	17	0	2,317	1,05,444	0	1,05,444
4	कोसी	6	4	30	26	2,042	60,691	8,384	69,075
5	माल्यागाड़	4	5	9	8	785	19,572	2,654	22,226
6	कनाड़ी	2	2	2	2	381	9,665	1,744	11,409
7	दुसाद	3	4	6	6	240	4,320	779	5,099
8	गगास अन्य	1	2	4	3	80	1,957	267	2,224
9	कुजगढ़	1	0	1	1	69	1,800	325	2,125
कुल (उत्तराखण्ड)		**34**	**29**	**138**	**109**	**10,007**	**4,04,131**	**50,000**	**4,54,131**
10	हिमाचल	1	0	2	0	60	2,030	0	**2,030**
कुल		**35**	**29**	**140**	**109**	**10,067**	**4,06,161**	**50,000**	**4,56,161**

फल संरक्षण उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर

क्रम	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
प्रथम	विश्वास समूह (बनोलिया)	पनाई	74,731	13,480	88,211	14	6,301
द्वितीय	सिद्धि विनायक समूह (रतखाल)	हैडवाटर्स	63,000	16,773	74,365	16	4,648
तृतीय	जय लक्ष्मी समूह (नायल)	हैडवाटर्स	34,607	6,242	40,849	10	4,085

प्रति गधेरा – श्रेष्ठ फल उत्पादक सदस्य								
क्रम सं.	गधेरे का नाम	सदस्य का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
1	हैडवाटर्स	तुलसी राणा	2350	जय लक्ष्मी समूह (नायल)	345	20,651	3,725	24,376
2	पनाई	साबुली देवी	354	विश्वास समूह (बनोलिया)	373	20,479	3,694	24,173
3	माल्यागाड़	देवकी देवी	66	उज्जवल समूह (लिल्लाड़ी)	417	10,225	1,844	12,069
4	कनाड़ी	गंगा देवी	3007	आशा समूह (मल्ली सलोनी)	373	9,325	1,682	11,007
5	कोसी	भगवती देवी	2618	ज्योती समूह (कूल)	341	8,512	1,535	10,047
6	दुसाद	शोभा जोशी	1443	जय देवी माँ समूह (स्यालसुना)	164	3,280	592	3,872
7	कुजगढ़	भावना देवी	2783	(पातली)	69	1,800	325	2,125
8	गगास अन्य	पुष्पा अधिकारी	536	वन्दना समूह (मजखाली)	28	560	101	661

फल उत्पादन कार्यक्रम में प्रत्येक गधेरे से विशेष स्थान प्राप्त करने वाली सभी उत्पादक सदस्याओं को उनके कठिन परिश्रम के फलस्वरूप समीक्षा वर्ष 2017–18 में फल उत्पादन कार्यक्रम में भाग लेने वाले 140 सदस्यों में विशेष स्थान प्राप्त करने पर समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

फल उत्पादों का उमंग में प्रतिशत योगदान				
क्रम	उत्पाद का नाम	उत्पाद (कि0ग्रा0)	मूल्य ₹	प्रतिशत योगदान मात्रा के आधार पर
1	लहसुन	2,080	1,38,804	21 %
2	खुमानी	1,977	55,254	20 %
3	आम	1,363	39,285	14 %
4	प्लम्	1,144	48,619	11 %
5	काग़ज़ी नींबू	729	29,144	7 %
6	माल्टा	617	10,480	6 %
7	अमरुद	467	9,330	5 %
8	हरी मिर्च	410	14,366	4 %
9	टमाटर	400	11,600	4 %
10	स्ट्रॉबैरी	350	31,500	3 %
11	बड़ा नींबू	191	1,640	2 %

3. हिमखाद्य कार्यक्रम :

अधिक से अधिक काश्तकारों को आजीविका एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से उमंग द्वारा अतिरिक्त फसलों के क्रय – विक्रय के कार्यक्रम को प्रोत्साहन दिया गया। हमारा मुख्य उद्देश्य जहां एक ओर वर्षा आधारित लुप्त हो रही पारम्परिक फसलों को बढ़ाना है वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उचित मूल्यों पर बाज़ार में जैविक खाद्य सामग्री को उपलब्ध कराना भी है। इन उत्पादों को उमंग, हिमखाद्य के नाम से बेचता है।

समीक्षा वर्ष के दौरान **88** स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से **642** किसानों ने अपने विभिन्न उत्पादों को विक्रय कर, ₹ **31,42,680 (इकत्तीस लाख बयालीस हज़ार छः सौ अस्सी)** की आय अर्जित की। बाजार भाव की प्राप्ति के साथ–साथ उपरोक्त किसानों को वित्तीय वर्ष में ₹ **85,000(पच्चासी हज़ार)** बोनस के रूप में वितरित किया गया, जिससे प्रत्येक उत्पादक को अपने वार्षिक आय का **3 प्रतिशत** अतिरिक्त लाभांश अर्जित करने का मौका मिला। संचित रूप से नैट बिक्री का **72** प्रतिशत रूपया काश्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

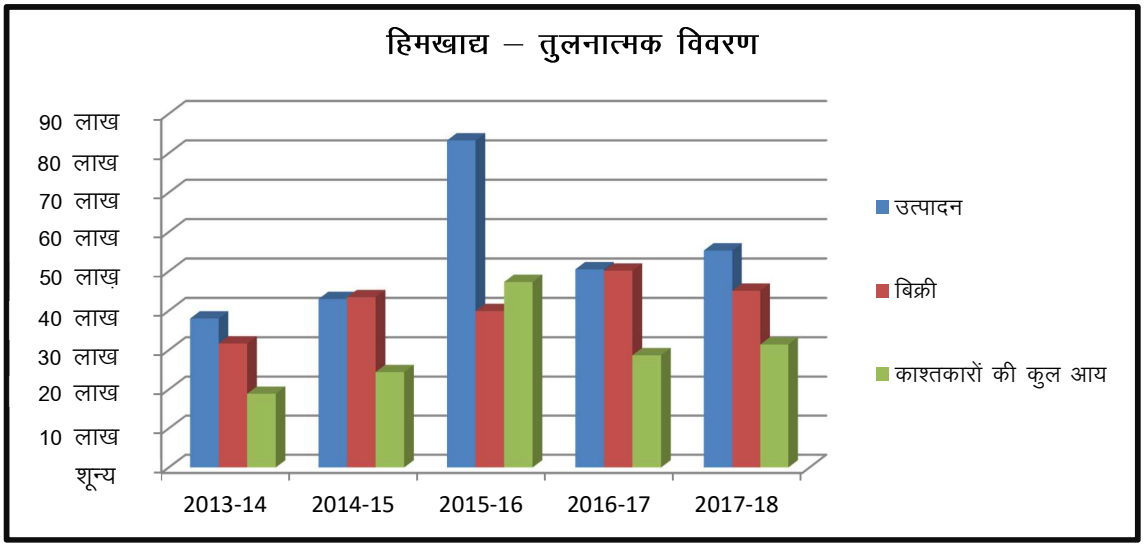

हिमखाद्य कार्यक्रम – प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका

क्रम	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल समूह	कुल सदस्य	कुल उमंग अंश धारक	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
1	दुसाद	11	31	183	123	6,504	3,57,463	20,529	3,77,992
2	कोसी	6	4	50	34	4,973	2,27,751	8,552	2,36,303
3	अन्य	15		66		3,609	1,77,380	0	1,77,380
4	कनाड़ी	15	18	116	58	4,210	1,62,524	4,510	1,67,034
5	हैडवाटर्स	5	8	47	39	1,075	64,180	3,957	68,137
6	माल्यागाड़	7	15	88	65	2,284	59,810	3,417	63,227
7	पनाई	3	6	11	9	176	6,668	413	7,081
8	गगास अ.	2	1	2	1	50	1,566	14	1,580
9	रिसकन	1	1	4	4	14	1,150	78	1,228
10	सोमेश्वर	1	1	1	1	50	500	34	534
11	कुजगढ़	2	1	2	2	5	280	20	300
कुल (उत्तराखण्ड)		**68**	**86**	**570**	**336**	**22,950**	**10,59,272**	**41,524**	**11,00,796**
12	हिमाचल	25	2	72	15	11,696	20,83,408	43,476	21,26,884
कुल		**93**	**88**	**642**	**351**	**34,646**	**31,42,680**	**85,000**	**32,27,680**

उत्तराखण्ड के हिमखाद्य उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर							
क्रम	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
प्रथम	जय भूमिया समूह (मल्ला सतीनौगाँव)	दुसाद	88,144	5,918	94,062	13	7,236
द्वितीय	महिला शक्ति समूह (मल्ला सतीनौगाँव)	दुसाद	58,338	3,918	62,256	12	5,188
तृतीय	महिला उत्थान समूह (टनोला)	कनाड़ी	21,391	1,436	22,827	5	4,565

प्रति गधेरा – श्रेष्ठ हिमखाद्य उत्पादक सदस्य – उत्तराखण्ड से								
क्रम	गधेरे का नाम	सदस्य का नाम	कोड	समूह का नाम	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
1	कोसी	पूजा बधानी	402	(खलाड़)	384	40,939	2,749	43,688
2	दुसाद	आशा सती	1565	नवनीत समूह (तल्ला सतीनौगाँव)	287	14,145	950	15,095
3	कनाड़ी	भावना बुधोड़ी	984	महिला उत्थान (टनोला)	201	12,493	839	13,332
4	हैडवाटर्स	गीता रावत	2799	सिद्धि विनायक समूह (रतखाल)	87	8,660	582	9,242
5	माल्यागाड़	मीना देवी	2682	सुरभि समूह (मुझोली)	4	5,370	361	5,731
6	पनाई	दीपा देवी	2344	जय मां भगवती (कालिका)	22	2,200	148	2,348

हिमाचल के हिमखाद्य उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर						
क्रम	समूह का नाम	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
प्रथम	सेन्धार	95,000	6,379	1,01,379	2	50,690
द्वितीय	चुड़ेश्वर समूह	4,27,905	28,186	4,56,091	10	45,609

प्रथम तीन श्रेष्ठ हिमखाद्य उत्पादक सदस्य – हिमाचल							
क्रम	सदस्य का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
प्रथम	नेहा देवी	2896	चुड़ेश्वर समूह (घण्डूरी)	531	1,00,890	6,775	1,07,665
द्वितीय	किरन देवी	3062	चुड़ेश्वर समूह (गराड़ी)	452	85,880	5,767	91,647
तृतीय	श्यामा देवी	2873	सेन्धार समूह (भेनु)	390	74,100	4,976	79,076

हिमखाद्य उत्पादन कार्यक्रम में प्रत्येक गधेरे से विशेष स्थान प्राप्त करने वाली सभी उत्पादक सदस्याओं को उनके कठिन परिश्रम के फलस्वरूप समीक्षा वर्ष 2017–18 में हिमखाद्य उत्पादन कार्यक्रम में उत्तराखण्ड से भाग लेने वाले 642 सदस्यों में विशेष स्थान प्राप्त करने पर समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

हिमखाद्य उत्पादों का उमंग में प्रतिशत योगदान				
क्रम	उत्पाद का नाम	उत्पाद (कि0ग्रा0)	उत्पाद ₹	प्रतिशत योगदान मात्रा के आधार पर
1	अखरोट	10,235	19,38,473	30 %
2	चौलाई	9,677	3,48,141	28 %
3	सोयाबीन	2,697	82,257	8 %
4	राजमा	2,551	2,55,098	7 %
5	मडुवा	2,425	33,954	7 %
6	झुंगरा	1,849	27,727	5 %
7	काला भट्ट	1,620	87,688	5 %
8	हल्दी	545	50,973	2 %
9	तिल	536	53,691	2 %
10	मक्का आटा	357	10,710	1 %
11	रीठा	355	5,318	1 %
12	अनार	348	5,213	1 %
13	लाल मिर्च	305	48,862	1 %
14	कैमोमाइल	299	1,19,119	1 %
15	धनिया	237	36,765	1 %
16	गहत	200	19,000	1 %
17	धान	175	2,625	1 %

समीक्षा वर्ष के दौरान पारम्परिक फसलों के साथ–साथ बाज़ारी व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नगदी फसलों की बढ़ोतरी के प्रयास के चलते कैमोमाइल का उत्पादन जारी रहा, जिसका विवरण निम्न प्रकार है :

क्रम	वर्ष	गाँव	काश्तकार	उत्पादन (किग्रा0)	आय ₹	बिक्री ₹
1	2012–13	45	327	773	3,86,463	7,82,973
2	2013–14	40	377	842	4,21,017	4,95,010
3	2014–15	29	213	547	1,90,388	7,75,323
4	2015–16	24	156	122	30,373	4,30,443
5	2016–17	17	109	165	57,328	3,95,789
6	2017–18	24	178	299	1,19,119	5,51,380

जैविक सहभागी प्रमाणीकरण प्रक्रिया

उत्तराखण्ड के अधिकांश भागों में खेती पारम्परिक रुप से जैविक रही है। उमंग अपनी पर्यावरणीय सुरक्षा के प्रति वचनबद्धता, स्वास्थ्य के दृष्टिकोण एवं पर्वतीय खेती की सत्ता को ध्यान में रखते हुए अपने काश्तकार उत्पादक सदस्यों के बीच जैविक सहभागी प्रमाणीकरण (पी0जी0एस0) योजना को प्रोत्साहन दे रही है। इस योजना के अंतर्गत निम्न क्षेत्रों के काश्तकारों ने अपनी ज़मीन पर सजीव खेती करने की प्रतिज्ञा ली। समीक्षा वर्ष के दौरान इन सभी काश्तकारों ने जैविक खेती की प्रक्रिया को जारी रखा।

क्र.सं.	गधेरा	गाँव	स्वयं सहायता समूह	काश्तकार	भूमि (एकड़)
1	दुसाद	15	46	517	359
2	हैडवाटर्स	4	9	144	88
3	कनाड़ी	12	16	188	82
4	कोसी	1	2	34	11
5	माल्यागाड	17	38	420	188
6	पनाई	1	1	18	4
7	रिसकन	1	2	10	14
कुल		**51**	**114**	**1,331**	**746**

4. मौन पालन कार्यक्रम :

समीक्षा वर्ष में मौन पालकों से ₹ **5,08,577 (पांच लाख, आठ हज़ार, पांच सौ सतहत्तर)** के शहद का क्रय किया गया। जो मौन पालन कार्यक्रम से होने वाली कुल बिक्री का **30** प्रतिशत है। इस वर्ष शहद की कुल बिक्री ₹ **17,00,762 (सत्रह लाख सात सौ बासठ)** हुई।

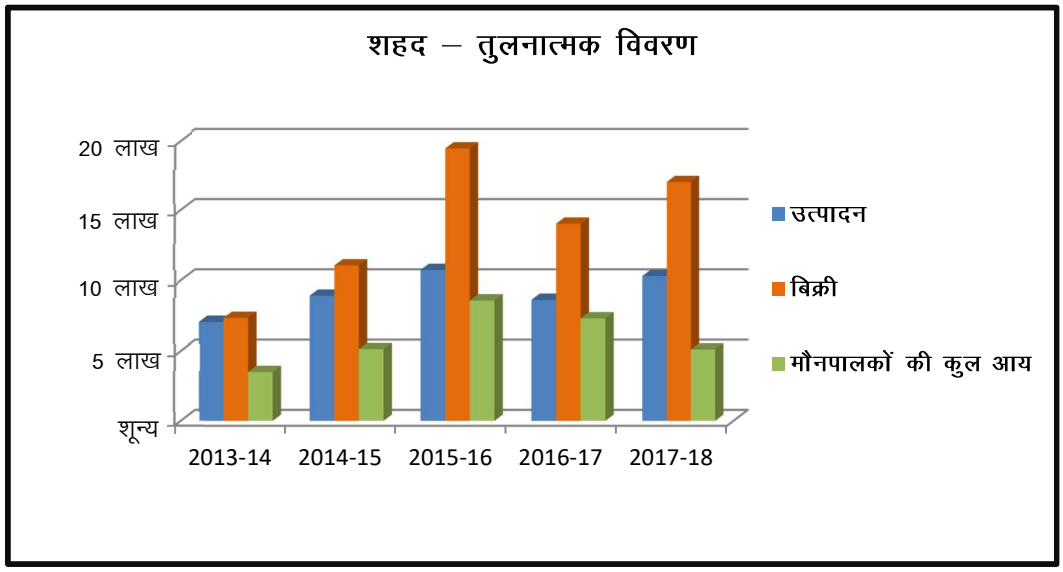

6. बांस कला कार्यक्रम : उमंग की 4 व्यावसायिक इकाईयों के अलावा वर्ष **2015–16** में लोगों की आजीविका बढ़ाने हेतु ग्रासरूट्स की सहायता से बांस उत्पादन को बढ़ावा देते हुए बांस से बने उत्पादों को बाजार में उतारने के प्रयास किये गय थे, जिसकी पहचान उमंग की पांचवी व्यावसायिक इकाई के रूप में करवाई गयी। समीक्षा वर्ष के अंतर्गत 3 बांस बुनकरों ने कुल **145 पीस** का उत्पादन कर ₹ **32,900** कमाया। बांस के उत्पादों की कुल नैट बिक्री ₹ **69,131** हुई।

7. अन्य कार्यक्रम :

घरेलू पर्यटन :

उमंग द्वारा ग्रासरूट्स के गठबंधन में आय बढ़ाने हेतु घरेलू पर्यटन को पिछले नौ वर्षों से प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिसमें प्रमुख रुप से विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी ग्रामीण परिवारों के साथ रहकर ग्रामीण परिवेश की वास्तविकता से परिचित होते हैं। उमंग द्वारा इस कार्यक्रम को **2 गाँवों** के **15 परिवारों** में चलाया गया, जिससे उक्त परिवारों ने ₹ **2,50,000 (दो लाख पचास हजार)** तक की वार्षिक अतिरिक्त आय अर्जित की।

विभिन्न राज्यों में उमंग उत्पादों की उपलब्धता

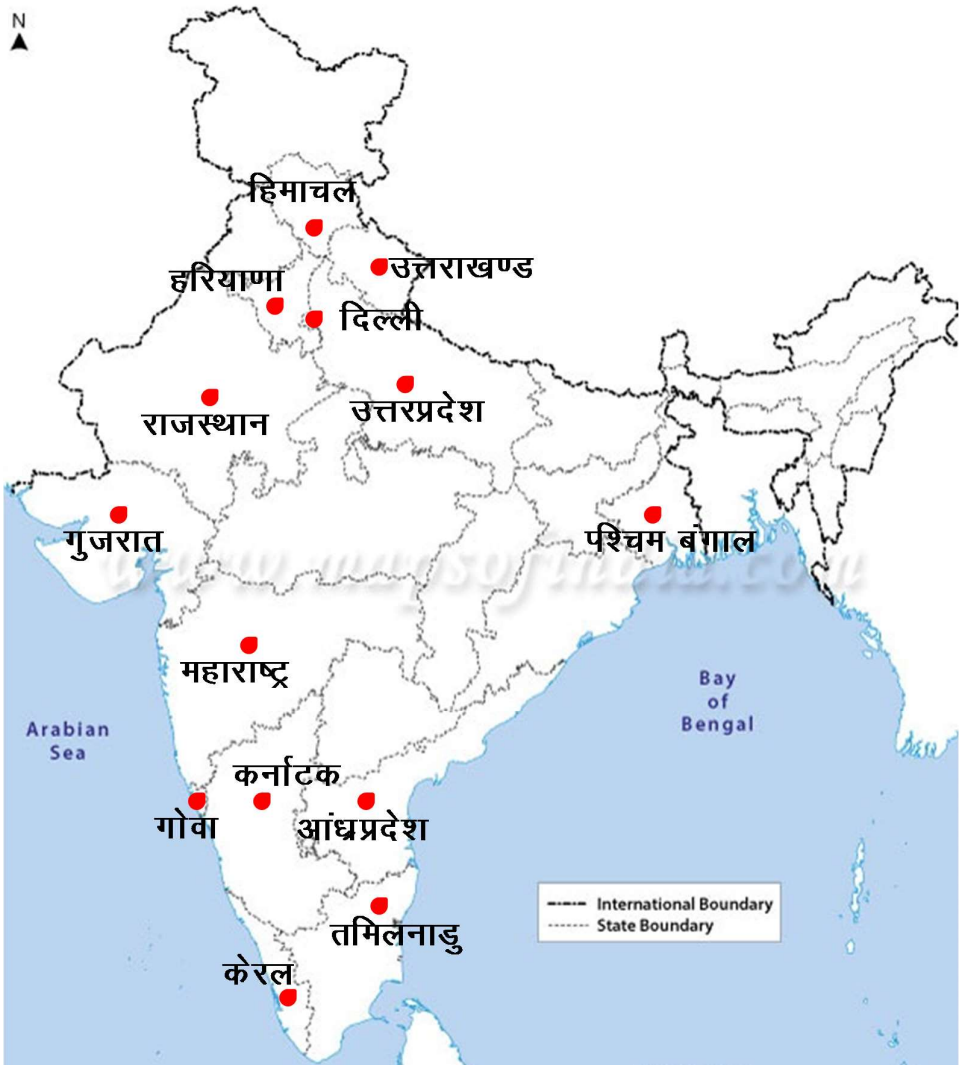

कुल यौगिक कार्यक्रम : प्रतिभागी विवरण तालिका

क्रम	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल प्रतिभागी	एस.एच.जी.		कुल उमंग अंश धारक		उमंग उत्पादक				
				प्रतिभागी एस.एच.जी.	प्रतिभागी एस.एच.जी सदस्य	अंश धारक एस.एच.जी.	अंश धारक सदस्य	हिमखाद्य उत्पादक	फल उत्पादक	बुनकर	मौन पालक	एक से अधिक कार्यक्रम में जुड़े सदस्य
1	दुसाद	11	230	32	214	30	170	183	6	125	—	83
2	गगास अन्य	4	91	7	88	7	88	2	4	88	—	3
3	गगास वैली	1	12	1	12	1	12	—	—	12	—	—
4	हैडवाटर्स	5	64	8	60	8	56	47	30	—	—	13
5	कनाड़ी	15	134	19	121	15	76	116	2	48	—	31
6	कोसी	10	121	7	98	7	101	50	30	55	—	14
7	कुजगढ़	6	97	8	96	8	97	2	1	96	—	2
8	माल्यागाड़	8	97	15	89	15	73	88	9	32	—	27
9	अन्य	31	89	1	1	1	1	66	17	—	6	—
10	पनाई	3	61	8	56	8	54	11	39	30	—	18
11	रिसकन	1	12	1	12	1	12	4	—	11	—	3
12	सोमेश्वर	6	87	8	87	8	84	1	—	87	—	1
कुल (उत्तराखण्ड)		**101**	**1,095**	**115**	**934**	**109**	**824**	**570**	**138**	**584**	**6**	**195**
13	हिमाचल	26	74	2	12	2	15	72	2	—	—	—
कुल		**127**	**1,169**	**117**	**946**	**111**	**839**	**642**	**140**	**584**	**6**	**195**

कुल यौगिक कार्यक्रम : कुल आय विवरण तालिका

क्रम	गधेरे का नाम	हिमखाद्य उत्पादकों की आय	हिमखाद्य उत्पादकों का बोनस	फल उत्पादकों की आय	फल उत्पादकों का बोनस	बुनकरों की आय	बुनकरों का बोनस	बुनकर लीडरों की आय	मौन पालकों की आय	कुल यौगिक आय	कुल यौगिक बोनस	कुल यौगिक आय + बोनस
1	हिमाचल	20,83,408	43,476	2,030	—	—	—	—	—	20,85,438	43,476	**21,28,914**
2	अन्य	1,77,380	—	1,05,444	—	—	—	—	5,08,577	7,91,401	—	**7,91,401**
3	दुसाद	3,57,463	20,529	4,320	779	2,86,985	17,861	—	—	6,48,768	39,169	**6,87,937**
4	कुजगढ़	280	20	1,800	325	4,44,265	27,648	34,197	—	4,80,542	27,993	**5,08,535**
5	गगास अन्य	1,566	14	1,957	267	4,03,280	25,085	32,355	—	4,39,158	25,366	**4,64,524**
6	कोसी	2,27,751	8,552	60,691	8,384	1,21,585	7,567	9,535	—	4,19,562	24,503	**4,44,065**
7	सोमेश्वर	500	34	—	—	3,03,690	18,759	25,337	—	3,29,527	18,793	**3,48,320**
8	कनाड़ी	1,62,524	4,510	9,665	1,744	1,08,240	6,738		—	2,80,429	12,992	**2,93,421**
9	पनाई	6,668	413	94,800	16,747	1,03,550	6,445	7,741	—	2,12,759	23,605	**2,36,364**
10	हैडवाटर्स	64,180	3,957	1,05,882	19,100	—	—	—	—	1,70,062	23,057	**1,93,119**
11	माल्यागाड़	59,810	3,417	19,572	2,654	57,420	3,574	4,122	—	1,40,924	9,645	**1,50,569**
12	रिसकन	1,150	78	—	—	12,890	801	1,000	—	15,040	879	**15,919**
13	गगास वैली	—	—	—	—	8,390	522	—	—	8,390	522	**8,912**
कुल अर्जित राशि		**31,42,680**	**85,000**	**4,06,161**	**50,000**	**18,50,295**	**1,15,000**	**1,14,287**	**5,08,577**	**60,22,000**	**2,50,000**	**62,72,000**

यौगिक आंकलन से पता चलता है कि समीक्षा वर्ष के दौरान संचित रूप से नैट बिक्री का 43 प्रतिशत रुपया सीधे तौर पर उमंग से जुड़े काश्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

समीक्षा वर्ष के अंतर्गत कुल 8 लोगों ने तीनों आजीविका कार्यक्रमों बुनाई, फल उत्पादन, व हिमखाद्य में अपना योगदान दिया।

कुल यौगिक आय श्रेष्ठ सदस्य (तीन आजीविका कार्यक्रमों बुनाई, फल उत्पादन, हिमखाद्य से जुड़े)

क्रम	सदस्य का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पादों से कुल आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
प्रथम	भावना बुधोड़ी	984	महिला उत्थान समूह (टनोला)	कनाड़ी	16,363	1,120	**17,483**
द्वितीय	इंद्रा कबडवाल	747	प्रगति समूह (उभ्याड़ी)	दुसाद	10,370	692	**11,062**
तृतीय	मंजू देवी	2986	जय कृष्णा समूह (मुझोली)	मालयागाड़	9,175	711	**9,886**

सफलता की ओर एक क़दम.....

समीक्षा वर्ष के दौरान क्रोशिया से बने उत्पादों की बाज़ार में अपनी एक नयी पहचान बनाने की पहल की गयी। **जन्नत समूह, चौबटिया** की चार महिलाओं ने अपना समूह बनाकर नये प्रकार के विभिन्न उत्पाद बुने जिनको बाज़ार में बहुत सराहा गया। इस अवसर के माध्यम से इन महिलाओं ने ₹ 43,227 (तेंतालीस हज़ार दो सौ सत्ताइस) कमाया। एकजुट हो कर बाज़ार में उतरने का यह एक अच्छा प्रयास है।

सारांश

उमंग के उपरोक्त सभी कार्यक्रमों का संचालन स्थानीय **18** निपुण कार्यकर्ताओं द्वारा निदेशक मण्डल के मार्गदर्शन में किया गया इसके लिए उनके द्वारा ₹ **20,70,760 (बीस लाख सत्तर हज़ार सात सौ साठ)** की आय अर्जित की गयी जो कि संस्था के कुल व्यवसाय का **13** प्रतिशत है। फल संरक्षण एवं हिमखाद्य के उत्पादों के उत्पादन के लिए स्थानीय बेरोजगार महिलाओं की एक टीम को **3,320 (तीन हज़ार तीन सौ बीस)** मानवदिवस का रोजगार प्राप्त हुआ जिससे उन्होंने ₹ **5,02,399 (पांच लाख दो हज़ार तीन निन्यानबे)** की आय अर्जित की।

संक्षिप्त रूप में समीक्षा वर्ष के दौरान उद्यमता के विकास में उमंग एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाने में सक्षम रही एवं परिणाम स्वरूप क्षेत्र के 1,169 (एक हज़ार एक सौ उन्हत्तर) परिवारों ने ₹ 90,95,159 (नब्बे लाख पच्चानबे हज़ार एक सौ उन्सठ) की निरन्तर पूरक आय अर्जित कर (प्रति सदस्य ₹ 7,780) कुमाँऊ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास में अपना योगदान दिया।

आभार

महिला उमंग प्रोड्यूसर कम्पनी की वार्षिक पत्रिका का समापन करते हुये हम अपने सभी ग्राहकों, मित्रों एवं शुभचिन्तकों, वित्तीय संस्थाओं, सरकारी एवं संस्थागत सहयोगियों, फल एवं खाद्य संरक्षण अधिकारियों, हमारे द्वारा उत्पादित सामान के सभी विक्रेता, समस्त उत्पादक महिलाओं एवं काश्तकारों का आभार प्रकट करते हैं।

निदेशक मण्डल

श्रीमती इन्द्रा रावत
मालरोड, रानीखेत
कार्यकारी निदेशिका

श्रीमती मीना आर्या,
मालरोड, रानीखेत
अध्यक्ष

श्रीमती इंद्रा कबडवाल
उभ्याड़ी

श्रीमती मंजू देवी,
मुझोली, माल्यागाड़

श्रीमती गीता मेहता
मजखाली, रानीखेत

श्रीमती माया खर्कवाल
कौसानी, सोमेश्वर

श्रीमती उमा देवी,
बगथल, माल्यागाड़

श्रीमती धनुली देवी,
मल्ला सती नौगांव, दुसाद

श्रीमती ईश्वरी रावत
सुरना, हैडवाटर्स

श्रीमती गंगा देवी
बनुलिया

श्रीमती भावना बुधोड़ी
टनोला, कनाड़ी

उमंग गीत

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

यह उमंग है आप सभी का मिलकर इसे संवारेंगे,

हक़ अपना मिल सके सभी को इसके लिए विचारेंगे।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

जंगल, पानी और लकड़ी का रिश्ता बहुत पुराना है,

पेड़ों को कटने नहीं देंगे हमने मन में ठाना है।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

जो बहनें हैं ग़म की मारी, बेबस हैं, मजबूर हैं,

उनके लिए उमंग का नाम अंधेरे में नूर है।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

आओ मिलकर अपने मन में यह विश्वास जगायेंगे,

एक दूजे का बनें सहारा मिलकर क़सम उठायेंगे।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

बुलंद उत्तराखण्ड की बुलंद तस्वीर,

हमारा आज हमारा उमंग, हमारा कल हमारा उमंग,

हमारा उमंग, हमारा उमंग, हमारा उमंग।।